पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
कोनी--बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.)
दूरभाष : (07752) 240702, 240712, 240752

क्रं. 74 / यो.मं. / बैठक / 2021, बिलासपुर, दिनांक 22 / 07 / 2021

/ / अधिसूचना / /

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के योजना मंडल की 09 वीं (आपात) बैठक माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 22 / 07 / 2021, दिन गुरूवार, अपरान्ह 12:00 बजे विश्वविद्यालय मुख्यालय, बिलासपुर के सिरपुर प्रशासनिक भवन में प्रत्यक्ष उपस्थिति / विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई।

बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति रही (क्रमांक 2 एवं 4 के सदस्य विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिए) :–

1. **डॉ. बंश गोपाल सिंह** – अध्यक्ष
   कुलपति / अध्यक्ष
   पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
   छत्तीसगढ़, बिलासपुर
2. **श्रीमती राजलक्ष्मी सेलट** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
   विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
   छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग
   नया रायपुर (छ.ग.)
   (सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा नामांकित)
3. **श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला** – सदस्य
   (कोचिंग संस्थान संचालक),
   ए.आर. टावर, खमतराई रोड, बिलासपुर (छ.ग.)
4. **श्री विकास मरकाम** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
   मकान नं. ए / 15 बरगद पेंड, गोल चौक,
   सिद्धेश्वर मंदिर के पीछे राधास्वामी नगर, रायपुर (छ.ग.)
5. **डॉ. इंदु अंनत** – सचिव
   कुलसचिव
   पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ, बिलासपुर

<u>निम्न सदस्य बैठक में प्रत्यक्ष उपस्थिति / विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित नहीं हो सके –</u>

1. **श्री कमलचन्द्र भंजदेव,**
   राजमहल द पैलेस, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)

सर्वप्रथम योजना मंडल की बैठक के प्रारंभ में कुलपति जी द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया, तत्पश्चात् बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर निम्नानुसार निर्णय लिये गये –

प्रस्ताव क्र. 01 – विश्वविद्यालय योजना मंडल की 08 वी (आपात) बैठक की कार्यवाही–विवरण की सम्पुष्टि प्रदान करना एवं पालन प्रतिवेदन की सूचना ग्रहण करने पर विचार।

निर्णय – अनुमोदित।

प्रस्ताव क्र. 02 – विश्वविद्यालय में बन्द हो रहे पाठ्यक्रमों की सूचना संबंधी।

निर्णय – सूचना ग्रहण किया गया।

प्रस्ताव क्र. 03 – विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों/प्रकोष्ठों के गठन/स्थापना संबंधी।

निर्णय – अनुमोदित।

प्रस्ताव क्र. 04 – विश्वविद्यालय में B.Sc. गणित में कम्प्युटर साइंस को जोड़ने/प्रारंभ करने संबंधी।

निर्णय – अनुमोदित।

योजना मंडल की अनुशंसा को कार्यपरिषद् की बैठक में अनुमोदन हेतु रखा जाये।

बैठक के अंत में अध्यक्ष के प्रति आभार प्रगट करते हुये बैठक समाप्त की गई।

22.07.2021

(इंदु अनंत)
कुलसचिव/सचिव

(बंश गोपाल सिंह)
कुलपति/अध्यक्ष

पृष्ठां. क्रं. 75/यो.म./बैठक/2021, बिलासपुर, दिनांक 22/07/2021
प्रतिलिपि –

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति के सचिव, राजभवन, रायपुर (छ.ग.)
2. निज सचिव, कुलपति/निज सहायक, कुलसचिव को कुलपति/कुलसचिव के सूचनार्थ।
3. सम्माननीय सदस्यगण –

3.1 श्री विकास मरकाम, मकान नं. ए/15 बरगद पेंड, गोल चौक, सिद्धेश्वर मंदिर के पीछे राधास्वामी नगर, रायपुर (छ.ग.)

3.2 श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला (कोचिंग संस्थान संचालक), ए.आर. टावर, खमतराई रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

3.3 श्री कमलचन्द्र भंजदेव, राजमहल द पैलेस, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)

3.4 डॉ. राजलक्ष्मी सेलट, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)

की ओर सूचनार्थ निवेदन है कि निर्धारित तिथि एवं समय में बैठक में उपस्थित होने की कष्ट करें।

4. वित्ताधिकारी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

5. संबंधित विभाग प्रमुखों ———————————————————————को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि कार्य परिषद् में लिये गये निर्णयों पर विभागीय कार्यवाही नियमानुसार पूर्ण कर पालन–प्रतिवेदन शीघ्र अधोहस्ताक्षरकर्त्ता को अनिवार्यतः प्रस्तुत करें।

6. नस्ती हेतु।

कुलसचिव

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
कोनी–बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.)
दूरभाष : (07752) 240702, 240712, 240752

क्रं. 81 / का.प. / बैठक / 2021 बिलासपुर, दिनांक 02/ 08 / 2021

/ /अधिसूचना/ /

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के कार्यपरिषद् की बैठक संख्या **04 / नियमित / 2021, दिनांक 28 / 07 / 2021, दिन बुधवार** को प्रातः 11:00 बजे क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर में प्रत्यक्ष उपस्थिति / विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई।

बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति रही (क्रमांक 2, 3, 7, 8 एवं 9 के सदस्य विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिए) :–

1. डॉ. बंश गोपाल सिंह – अध्यक्ष
   कुलपति
   पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
   बिलासपुर

2. **प्रो. जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
   आचार्य
   मानविकी अध्ययन विभाग
   इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली
   (कुलपति, इग्नू के द्वारा नामांकित)

3. **श्री एम. डी. दीवान** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
   संयुक्त सचिव
   छ.ग. शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग
   अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)

4. **श्री एस.एल.नायक** – सदस्य
   संयुक्त सचिव
   छ.ग.शासन,
   पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नया रायपुर (छ.ग.)

5. **पद्मश्री स्वामी जी.सी.डी. भारती उर्फ भारती बंधु** – सदस्य
   बूढ़ा तालाब के पास, वीरभद्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

6. **श्री प्रफुल्ल शर्मा** – सदस्य
   चौबे कॉलोनी, सरकंडा, बिलासपुर (छ.ग.)

7. **श्री उचित सूद** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
   होटल सेन्ट्रल पॉइन्ट, शिव टॉकिज चौक, बिलासपुर (छ.ग.)

8. **श्रीमती राजलक्ष्मी सेलट** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, नवा रायपुर (छ.ग.)
(सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा नामांकित)

9. **श्री आर.के. पटेल** (विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) – सदस्य
संभागीय संयुक्त संचालक
कोष लेखा एवं पेंशन, बिलासपुर
(सचिव, छ.ग. शासन, वित्त विभाग के द्वारा नामांकित)

10. **डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति** – सदस्य
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
(कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय शैक्षणिक संकाय से मनोनीत)

डॉ. इंदु अनंत – सचिव
कुलसचिव
पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
बिलासपुर

<u>निम्न सदस्य बैठक में प्रत्यक्ष या विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित नहीं हो सके –</u>

1. **श्री गुलाब कमरो** – सदस्य
उपाध्यक्ष
सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण
रायपुर

2. श्री संतराम नेताम – सदस्य
उपाध्यक्ष
बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण
रायपुर

अध्यक्ष महोदय के द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ हुई। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर निम्नानुसार निर्णय लिये गये –

प्रस्ताव क्र. 01 – विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक संख्या 03/नियमित/2021 एवं 05/आपात/2021 बैठक की कार्यवाही–विवरण की सम्पुष्टि प्रदान करना एवं पालन प्रतिवेदन की सूचना ग्रहण करने पर विचार।

निर्णय – संपुष्टि की गई। कार्यवृत्त अनुमोदित।

प्रस्ताव क्र. 02 – विश्वविद्यालय मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्रों तथा अध्ययन केन्द्रों में कार्यरत मानसेवी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 02 अगस्त 2021 से कार्य करने की अनुमति संबंधी।

निर्णय – विश्वविद्यालय में कार्य की आवश्यकता को देखते हुए मानसेवी अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्य की अनुमति प्रदान करनें के पूर्व विभाग प्रमुख से कार्य एवं व्यवहार का प्रतिवेदन प्राप्त कर लिया जाए। जिनका कार्य एवं व्यवहार संतोषप्रद है उन अधिकारियों/कर्मचारियों को 02 अगस्त से 177 दिवस के लिए कार्य करनें की अनुमति प्रदान की जाय। इन अधिकारियों/कर्मचारियों के ऊपर होने वाले व्यय भार बजट के 'B.9- Expenditure on RSD: Student Support Services & Centers Maintenance etc.' के क्रमांक 01 एवं 03 मद से विकलनीय होगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेश में भी इसका उल्लेख किया जाय।

कार्यवाही – स्थापना/प्रशासन विभाग

प्रस्ताव क्र. 03 – विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, पाठ्यक्रम/संकाय परिवर्तन, फीस वापसी, पात्रता संबंधित इत्यादि परिवर्तन नियम संबंधी।

निर्णय – प्रस्तावित नियमावली अनुमोदित।

कार्यवाही – क्षेत्रीय सेवा प्रभाग

प्रस्ताव क्र. 04 – योजना मंडल की 09 वीं आपात बैठक के कार्यवाही–विवरण के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय – कार्यवाही विवरण अनुमादित।

प्रस्ताव क्र. 05 – विश्वविद्यालय अध्यादेश क्रमांक 1 में संशोधन भाग **H:** गैर शिक्षक अधिकारियों की योग्यता को जोड़ने हेतु सुझाव पर विचार।

निर्णय – अनुमोदित। यह की विज्ञापन के पूर्व विज्ञापन प्रारूप को राज्य शासन के पास अनुमोदन हेतु भेजा जाय तथा तदनुसार कार्यवाही की जायेगी।

कार्यवाही – स्थापना/प्रशासन विभाग

प्रस्ताव क्र. 06 – क्षेत्रीय कार्यालयों के इम्प्रेस्ट का मदवार निर्धारण संबंधी।

निर्णय – इम्प्रेस्ट का मदवार निर्धारण स्वीकृत किया गया।

कार्यवाही – वित्त विभाग

प्रस्ताव क्र. 07 – स्व–अध्ययन सामग्री (SLM) के मुद्रण संबंधी फर्म के चयन संबंधी सूचनार्थ।

निर्णय – सूचना ग्रहण की गई।

कार्यवाही – भण्डार विभाग

प्रस्ताव क्र. 08 – **NAAC** के मूल्यांकन की दृष्टि से समन्वयकों को मानसेवी आधार पर कार्यानुमति संबंधी।

निर्णय – वित्त विभाग से सुझाव लेकर कार्यवाही की जाय।

कार्यवाही – स्थापना /प्रशासन विभाग

प्रस्ताव क्रमांक 03 –

विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों/प्रकोष्ठों के गठन/स्थापना संबंधी।

टीपः–

विश्वविद्यालय में विभिन्न आयामों पर कार्य करने के लिए विभिन्न केन्द्रों/प्रकोष्ठों की स्थापना प्रस्तावित है। जिसका विवरण निम्नानुसार प्रस्ताव संलग्न कर विचारार्थ प्रस्तुत।

योजना मंडल के समक्ष प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत।

संलग्न–

1. स्वामी आत्मानन्द पीठ। (पृष्ठ क्रमांक 31 से 34 तक)
2. STUDENT SUPPORT PORTAL (पृष्ठ क्रमांक 35 से 36 तक)
3. Center for innovation startup and Entrepreneurship Development Cell (पृष्ठ क्रमांक 37 से 38 तक)
4. पर्यावरण हितैषी विकास केन्द्र (पृष्ठ क्रमांक 39 से 39 तक)
5. महिला समग्र विकास केन्द्र (पृष्ठ क्रमांक 40 से 41 तक)
6. समाज सुधार एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (पृष्ठ क्रमांक 42 से 43 तक)
7. Equal Opportunity Center (पृष्ठ क्रमांक 44 से 45 तक)
8. Modal Learners/Study Centers (पृष्ठ क्रमांक 46 से 47 तक)

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

स्वामी आत्मानन्द पीठ ✓

स्थापना प्रस्ताव

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर में 'स्वामी आत्मानन्द पीठ' का स्थापना प्रस्ताव निम्नांकित उप–शीर्षकों के अनुसार प्रस्तावित है :–

1. प्रस्तावना :–

अ. पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ : एक दृष्टि में –

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, की स्थापना बिलासपुर में दिनांक 20 जनवरी 2005 को हुई। 'सा विद्या या विमुक्तये' की सूक्ति को चरितार्थ करते हुए 'स्वाध्यायः परमं तपः' को अक्षरशः मूर्तिमान करते हुए यह विश्वविद्यालय मुक्त शिक्षा पद्धति से छत्तीसगढ़ के मानव संसाधन को उच्च शिक्षा के माध्यम से समृद्ध एवं समुन्नत कर रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुदूरवर्ती ग्रामीण अंचल एवं वनांचल में उच्च शिक्षा का प्रचार–प्रसार करते हुए तथा 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' का आह्वान करते हुए यह विश्वविद्यालय अहर्निश छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा में तत्पर है। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में 136 अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा पद्धति की संकल्पना को साकार करते हुए यह विश्वविद्यालय अपनी समस्त सम्भावनाओं को वास्तविकता में परिणत कर रहा है। यह विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं शोध कार्यों के माध्यम से अकादमिक विस्तार में तत्पर है। सम्प्रति, विश्वविद्यालय में अनेक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक एवं गुणवत्तापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं यथा – बी.लिब एवं आई.एस–सी., एम.ए. : संस्कृत, हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, समाज कार्य, शिक्षा,: एम.एस–सी. (गणित), एम. काम., पी.जी. डिप्लोमा इन यौगिक साइन्स, पी.जी. डिप्लोमा इन साइकोलाजिकल गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग, छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य में पी.जी. डिप्लोमा, पी.जी.डिप्लोमा इन लेबर लॉ एण्ड लेबर वेलफेयर, आरम्भिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा, पत्रकारिता आदि विषयों में शिक्षण एवं शोध कार्य गुणवत्तापूर्वक किया जा रहा है। विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के

माध्यम से विविध पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। अपनी स्थापना के अल्पसमय में ही यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में 'नवीन' कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में मुख्य मार्ग स्वामी आत्मानन्द के नाम पर है तथा स्वामी रामकृष्ण परमहंस की भावधारा को छत्तीसगढ़ में अविरल प्रवाहित करने वाले स्वामी विवेकानन्द के नाम पर विश्वविद्यालय ग्रन्थालय है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न महापुरूषों के नाम पर शोध पीठों की स्थापना की गई है। इसी अनुक्रम में छत्तीसगढ़ की अमर विभूति स्वामी आत्मानन्द जी नाम पर **'स्वामी आत्मानन्द पीठ'** प्रस्तावित है।

ब. स्वामी आत्मानन्द का जीवन–परिचय :–

स्वामी आत्मानन्द का जन्म 6 अक्टूबर 1929 को रायपुर जिले के बरबन्दा गाँव में हुआ था। आपके पिता श्री धनीराम वर्मा पास के विद्यालय में शिक्षक थे एवं माताजी श्रीमती भाग्यवती गृहणी थीं। पिता जी के साथ महात्मा गाँधी के वर्धा आश्रम में रहते परिवार के साथ ही बालक तुलेन्द्र को महात्मा गाँधी का सानिध्य प्राप्त हुआ। बालक तुलेन्द्र गीत व भजन कर्णप्रिय स्वर में गाते थे जिसके कारण गाँधी जी उन्हें बहुत स्नेह करते थे। गाँधी जी बालक तुलेन्द्र को अपने पास बैठाकर गीत सुनते थे। धीरे–धीरे बालक तुलेन्द्र को गाँधी जी का विशेष स्नेह प्राप्त हो गया । गाँधी जी बालक तुलेन्द्र के साथ वर्धा आश्रम में घूमते थे तब तुलेन्द्र उनकी लाठी उठाकर आगे–आगे दौड़ते थे और गाँधी जी पीछे–पीछे लम्बे डग भरते अपने चिर परिचित अंदाज में चलते थे। गाँधी जी के साथ बालक तुलेन्द्र का इस भाव धारा का एक चित्र बहुत ही मार्मिक एवं प्रसिद्ध है।

अपने शैक्षिक जीवन में बालक तुलेन्द्र ने सेन्टपाल स्कूल से हाईस्कूल की परीक्षा प्रथम श्रेणी में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान के साथ पास की और इस उपलब्धि के कारण स्वर्णपदक के अधिकारी हुए। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए साइन्स कॉलेज नागपुर चले गये। नागपुर से विद्यार्थी तुलेन्द्र ने गणित विषय में परास्नातक उपाधि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किये। इस अध्ययन के दौरान विद्यार्थी तुलेन्द्र रामकृष्ण आश्रम में रहने लगे। यहीं से उनके जीवन में स्वामी विवेकानन्द के जीवन आदर्शों की विवेक ज्योति प्रज्जवलित हुई। मित्रों की सलाह से वे आई.ए.एस. परीक्षा प्रावीण्य सूची में प्रथम दस उम्मीदवारों के रूप में उत्तीर्ण किये किन्तु अपने आध्यात्मिक स्वभाव, मानवता सेवा अनुराग के कारण

साक्षात्कार में शामिल नहीं हुए। वे रामकृष्ण आश्रम की विचारधारा से जुड़कर कठिन साधना एवं स्वाध्याय में रम गये।

सन् 1957 में रामकृष्ण मिशन के महाध्यक्ष स्वामी शंकरानन्द ने तुलेन्द्र की प्रतिभा, विलक्षणता, सेवा व समर्पण से प्रभावित होकर ब्रह्मचर्य में दीक्षित किया और उन्हें नया नाम दिया – ब्रह्मचारी तेज चैतन्य। ऋषिकेश में हिमालय स्थित वशिष्ठ गुफा से तपस्या करने के उपरान्त स्वामी विवेकानन्द के योगदान को अविस्मरणीय बनाने के लिए विवेकानन्द आश्रम का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया। आश्रम निर्माण के साथ ही इस आश्रम को वेलूरमठ से सम्बद्धता भी प्राप्त हो गई। आज हम जिस विवेकानन्द आश्रम का विराट स्वरूप देख रहे हैं, वह पूर्व में ब्रह्मचारी तेज चैतन्य के नाम से आख्यात विश्वविख्यात स्वामी आत्मानन्द की कर्मनिष्ठा, लगन एवं त्याग का जीवन्त प्रतिमान है। ब्रह्मचारी तेज चैतन्य बाद स्वामी आत्मानन्द के रूप में विख्यात हुए। स्वामी आत्मानन्द छत्तीसगढ़ की सेवा में इस तरह से समर्पित हो गये कि मन्दिर निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि को अकाल पीड़ितों में बाँट दिये। शासन के अनुरोध पर वनवासियों के उत्थान के लिए नारायणपुर में उच्च स्तरीय शिक्षा संस्कार केन्द्र की स्थापना भी स्वामी आत्मानन्द द्वारा की गई। इसके साथ ही स्वामी आत्मानन्द छत्तीसगढ़ के जन–मन में रच–बस गये। दुर्भाग्यवश इस युवा सन्त का 27 अगस्त 1989 को राजनांदगाँव में सड़क दुर्घटना में स्वर्गवास हो गया और आपका यश अमर हो गया । ऐसे विद्वत मनीषी, विद्वान आचार्य के नाम पर पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर में **'स्वामी आत्मानन्द पीठ'** की स्थापना उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

2. **पीठ का सृजन :–**

छत्तीसगढ़ के दिव्य विभूति स्वामी आत्मानन्द की पावन स्मृति को चिरंजीवी, कालजयी बनाने के लिए **''स्वामी आत्मानन्द पीठ''** प्रस्तावित है :–

3. **'स्वामी आत्मानन्द पीठ' का कार्य–क्षेत्र :–**

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के अन्तर्गत स्थापित प्रस्तावित पीठ का कार्य क्षेत्र मुख्यतः इस प्रकार होगा :–

अ. शिक्षण–प्रशिक्षण, शोध, नवाचार आदि के माध्यम से स्वामी आत्मानंद जी के विचार एवं कार्यो को और बढ़ाना।

ब. समाज का आध्यात्मिक उन्नयन के कार्य।

स. समग्र समाज–कल्याण कार्य।

द. शिक्षा, संस्कृति तथा समाज के पिछड़े वर्गों के विकास हेतु बौद्विक कार्य।

य. आदिवासी–वनवासी कल्याण कार्यक्रम।

र. अन्य प्रस्तावित समकालीन प्रासंगिक कार्य।

ल. प्रकाशन, कार्य, संगोष्ठी, अधिवेशन, कार्यशाला आदि का आयोजन ।

STUDENT SUPPORT PORTAL ✓

Open University offers programmes in Open and Distance Learning mode. Student support is the heart of open educational system. In the field of Open and Distance Education, Student support portal is an essential part of all academic institution to convey information to the learners. Pt. Sundar Lal Sharma (Open) University Chhattisgarh also has a student support portal http://**www.pssou.ac.in**. With the help of Student support portal learners can access all information related to their academic need. Student Support Portal consists of academic information like Admission, Programme details, Fee details, List of Study Learning Centres, List of Regional Centres, Contact classes, Practical Examination, Term End Examination, Result Declaration, Student Help Desk etc.

Student support portal is developed and maintained under the supervision of Cell constituted as given below:

1. Coordinator (Nominated by Honourable Vice Chancellor of the University)
2. Two Members (Nominated by Honourable Vice Chancellor of the University)

Objectives:

Objectives of Student support portal are:

1. To provide learners ease access to the university.
2. To promote online and distance learning with respect of current available technological resources and also with respect of technological advancement.
3. To provide online student services to the learners.
4. To provide online platform to the learners for their academic activities.
5. To develop an online educational ecosystem.
6. To make available open educational resources i.e. SLM, Audio/Video Lecture etc. for the learners
7. To provide instance help with online help desk to the learners.

Functions:

Basically Student support portal is a virtual hub of student support resources and services. Functions of Student support portal can be described in the context of Learners. Different kinds of learner support resource are made available and learner support services are provided with the portal. These are:

1. Admission: Admission related information and programme details are provided in the portal. Learners can access all the relevant information regarding programme structure, admission procedure, programme fee structure and payment mode, study learning centres and regional centres etc. through portal.

2. Contact classes and Practical Examination: All the information regarding contact classes and practical examination of different programmes are provided in the portal. Learners can access this information of their relevant programmes easily.

3. Term End Examination: Details of Term end Examination of different programmes are uploaded in the portal. Admit card of the Term End Examination and examination schedules are provided in the portal.

4. Result Declaration: After conduct of Term End Examination and evaluation of answer sheets, results of different programmes are made available in the portal. Learners can access their results through portal.

5. Student Help Desk: A help desk section is provided in the portal. Learners can get instance help with this section by communicating with the university representative.

6. OER and Study Learning Material (SLM): Online Open Educational Resources like e- study learning materials, audio/video lectures are provided in the portal for the learners. Learners can get ease access to these resources anywhere, any time with electronic devices like Computer and mobiles etc.

Pradhan.
Radhamlal Pradhan,
Asst. Professor,
Dept. of Comp. Science,
PSGV Chhattisgarh.

Center for Innovation Startup and Entrepreneurship Development Cell

Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh

In order to operationalise the Center for Innovation Startup and Entrepreneurship Development Cell has constituted an Advisory Committee in the University. The composition of the advisory committee of Center for Innovation Startup and Entrepreneurship Development Cell is as under:

1. Coordinator (Nominated by Honourable Vice Chancellor)
2. Two Members (Nominated by the Honourable Vice Chancellor) of the

Vision

To be a world-class, state-of-the-art, corporate-driven, Start-up Resource Platform that enables growth of successful start-ups in Chhattisgarh.

Mission

To evolve and leverage corporate partnership in development and growth of Chhattisgarh's start-up ecosystem with end-to-end support at a single platform aiming to faster transformation of business ideas to successful ventures impacting social and economic development through employment generation and wealth creation.

Objectives

The Center for Innovation Startup and Entrepreneurship Development Cell for students and faculty of Higher Education Institutions (HEIs) is a guiding

framework to enable the institutes to actively engage students, faculties and staff in innovation and entrepreneurship related activities. Following are the key objectives of the cell:

1. Strengthen Start-up Ecosystem in the state through policy research and recommendations to Government of India and State Government to ensure ease of starting - doing – closing new businesses.
2. Attract most innovative start-ups to the existing learners to collaborate with corporate and grow.
3. Provide state-of-the-art working space and experience for budding start-ups to work from and all-round support to mature and grow their businesses.
4. Help corporate to identify suitable employable mass in the form of institutional input.
5. Help students to locate and develop ideas for potential budding start-ups for investing.
6. Build partnership with national and international universities for imparting knowledge to and capacity development of budding start-ups.
7. Create a soft-landing platform for innovative start-ups from across India to co-develop products and services for Indian market.
8. Work with state governments to create enabling ecosystem for growth of start-up and employment generation.
9. To carryout research in the field of entrepreneurship with the aid of Chhattisgarh State Planning Commission, Raipur which will enable to facilitate entrepreneurial culture in the state.
10. Serve as a Knowledge Centre for preparing and empowering potential entrepreneurs in Chhattisgarh through various capacity building programs and convert job seekers to job creators.

ECO-FRIENDLY DEVELOPMENT CELL✓
पर्यावरण हितैषी विकास केन्द्र

उदेश्य :– पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय हेतु गठित इस ECO – Friendly Development Cell पर्यावरण हितैषी विकास केन्द्र को विश्वविद्यालय के पूर्व एवं वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षको, कर्मचारियों एवं उन सभी जनों को ध्यान में रखते हुए स्थापित की गई है, जिससे विश्वविद्यालय में एक सुंदर, समायानुकूल, जनोपयोगी एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण का निर्माण हो सके तथा इसके साथ ही साथ इससे सामाजिक सरोकार एवं उच्च शिक्षा से प्राप्त श्रेष्ठ मानवीय गुणों का भी विकास भी हो। यह केन्द्र विश्वविद्यालय में स्थित क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र / आदर्श अध्ययन केंद्र (Modal Study Centres) एवं संपूर्ण राज्य के समस्त क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों तथा उनके अंतर्गत कार्यरत अध्ययन केंद्रों के माध्यम से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा।

कार्य:– इस केंद्र के अंतर्गत निम्न कार्यो को संचालित किया जायेगा–

01. विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रो एवं सभी अध्ययन केंद्रों में Eco – Friendly वातावरण के निर्माण एवं विकास संबंधी कार्यक्रमों का निर्धारण एवं क्रियान्वयन करना।

02. विश्वविद्यालय के अंतर्गत समय–समय पर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यक्रम जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता, हरा – भरा परिसर एवं वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतो का संरक्षण तथा संवर्धन करना।

03. पर्यावरण हितैषी कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये गोद ग्रामों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों, प्रशिक्षण शिविरों, सेमीनार, कार्यशाला आदि का समय–समय पर आयोजन करना।

04. विश्वविद्यालय मुख्यालय में वर्ष के दोनों शैक्षणिक सत्रों में पर्यावरण हितैषी गतिविधियों का संचालन, प्रोत्साहन तथा सहयोग प्रदान करना।

05. इसके अतिरिक्त समय–समय पर केंद्र सरकार/राज्य सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित क्रियाकलापों/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।

संगठन :–समन्वयक – .... (मा. कुलपति जी द्वारा नामित)

दो सदस्य – .... (मा. कुलपति जी द्वारा नामित)

S. R. Rao

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

महिला समग्र विकास केन्द्र

Women Holistic Development Center ✓

महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता हमारे राष्ट्र के प्रगति और उत्थान के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में विश्वविद्यालय के शिक्षक/कर्मचारी/अधिकारी शामिल है और पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय में महिला विभाग प्रकोष्ठ की मजबूत प्रकोष्ठ बनाने में विकास सेल का गठन किया गया है। यह महिलाओं के उत्थान के लिए विभिन्न शैक्षिणिक, तकनीकी, चिकित्सा, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। विश्वविद्यालय के छात्रों के माध्यम से समाज में लैंगिक समानता के वास्तविक महत्व को फैलाने में अपनी भूमिका निभायेंगे।

उद्देश्य :–

- सामाजिक – सांस्कृतिक मूल्यों वाले पितृसत्तात्मक समाज में रहते हुए, एक समतावादी समाज के निर्माण में मदद करना है।
- छात्राओं को एक संतुलित जीवन जीने में मदद करना।
- हर क्षेत्र में महिलाओं के विकास पर जोर देना।
- महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करनां।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो महिलाओं को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने में मदद करें।

मिशन :–

- महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित करना।
- महिलाओं में सकारात्मक आत्म सम्मान और आत्मविश्ववास पैदा करना ताकि वे अपने जीवन में सही निर्णय ले सकें।
- महिलाओं का सामाजिक, कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाना।
- महिलाओं को विभिन्न प्रकार की हिंसा के बारे में जागरूक करना

लक्ष्य :–

- लैंगिक समानता की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करना।

- सभी लिंगों को समान कैरियर के अवसर प्रदान करना।
- लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव की गहरी जड़ वाली मान्यताओं को खत्म करना।

चुनौती :–

यद्यपि हम अब 21वीं सदी में हैं और प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण के युग में अभी भी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाएं असुरक्षित हैं। आज भी महिलाएं शिक्षा, सामाजिक–आर्थिक सीमाओं, भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार और आय के लिए संघर्ष कर रही हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों और वंचित समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर प्रदान करने में पूरी तरह सक्षम नही है।

महिला समग्र विकास केन्द्र के सदस्य

वरिष्ठ शिक्षक : समन्वयक

दो सदस्य : मा. कुलपति जी द्वारा नामित

समाज सुधार एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र

(Centre for Social Reform and Extension Activities)

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर सामाजिक कल्याण के कार्यों में निरन्तर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय समाज का एक महत्वपूर्ण अंग होने के नाते अपने सामाजिक दायित्व का भलीभांति निर्वहन करता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अंतर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के आसपास के सामाजिक वातावरण से अवगत कराया जाता है ताकि विद्यार्थी एक जिम्मेदार नागरिक की भांति समाज के कल्याण में अपना बेहतर योगदान दे सकें।

प्रत्येक शैक्षणिक संस्था का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह स्थानीय स्तर पर सामुदायिक गतिविधियां आयोजित कर समुदाय एवं समाज के विकास में अपना योगदान दे, इस हेतु इस विश्वविद्यालय द्वारा भी अपने आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न समाज सुधार कार्यक्रमों एवं गतिविधियों विशेषत: युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्ग के उत्थान को केंद्रित कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक जीवन को बेहतर बनाने में विश्वविद्यालय निरंतर संग्लन है। विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे केंद्र (Centre for Social Reform and Extension Activities) की स्थापना विश्वविद्यालय द्वारा किये जाने वाले सामाजिक कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विजन (Vision)

"आत्मनिर्भर, स्वस्थ, शिक्षित, सामुदायिक और सामाजिक मुद्दों एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील समाज की कल्पना को पूरा करने में पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ को अग्रणी रखना।"

लक्ष्य एवं मिशन (Goals and Mission)

विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय स्तर पर सामाजिक उत्तरदायित्व में अपनी भूमिका एवं सहभागिता को सुनिश्चित कर विश्वविद्यालय तथा स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय स्थापित करना एवं विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना।

उद्देश्य (Aims)

1- समाजिक न्याय को प्राप्त करने में योगदान करना।

2- समाज के लोगों में आत्म सम्मान की भावना को बल देना।

3- सामुदायिक जीवन के लिए प्रेरित करना।

4- लोगों को उनकी समस्याओं और उनके पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना।

कार्य (Functions)

1. विश्वविद्यालय द्वारा आसपास के गांवों को गोद लिया जाना।

2. गोद लिए हुए गांवों में शिक्षा स्वास्थ्य सम्बंधी जागरूकता कैम्प लगाना।

3. विद्यार्थियों के मध्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा कराना।

4. विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं महिलाएं और कमजोर वर्ग से सम्बन्धित संगोष्ठी कार्यशाला का आयोजन कराना।

संगठन (Organization)

1. समन्वयकः ....(माननीय कुलपति जी द्वारा नामित)

2. सदस्यः दो ....((माननीय कुलपति जी द्वारा नामित)

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

Equal Opportunity Cell

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर में समान अवसर प्रकोष्ठ (EOC) की स्थापना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग सहित हाशिए के वर्गों से संबंधित छात्रों की सहायता और सलाह के लिए की गई है।
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विकलांग छात्रों एवं शिक्षकों के लिए रैंप, रेलिंग, सुलभ शोचालय का निर्माण किया गया है।

विकलांग विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और समाज के हाशिए के वर्गों से संबंधित लोगों की मुख्य समस्या अक्षम पर्यावरण और सामाजिक–संस्कृतिक और आर्थिक बाधाओं से उत्पन्न होती है। किसी भी व्यक्ति के साथ उसकी विकलांगता या शारीरिक सीमाओं और अल्पसंख्यक स्थिति के आधार पर भेदभाव समानता और मानवाधिकारों और यहां तक की संवैधानिक दायित्वों के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धान्तों का घोर उल्लंघन है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी समस्याएं बड़ी चिंता का विषय है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

भारतीय समाज अपने ताने–बाने में समाहित विविध रंगों के मामले में विलक्षण है। इसके दायरे में रहने वाले कई समूह है जो भाषा, जातीयता, वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर अलग–अलग है। सह असमान स्थिति एक मोचन की गारंटी देती है जो समान अवसर उपायों और नीतियों के माध्यम से संभव है।

ईओसी वंचित वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर) श्रेणियों के व्यक्तियों, धार्मिक, भाषाई अल्पसंख्यकों अलग–अलग व्यक्तियों और महिलाओं के लिए सकारात्मक कारवाई के लिए काम करता है।

प्रकोष्ठ के उद्देश्य है:–

हाशिए के वर्गों के शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए आवाश्यक वित्तिय एवं अन्य संसाधनों को जुटाने की दृष्टि से पोषण एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना।

अकादमिक बातचीत एवं पाठ्योत्तर गतिविधियों के लिए हाशिए के वर्गों के शिक्षकों और छात्रों के बीच सौहाद्रपूर्ण अंतर–4 विकसित करने की मदद करना।

वंचित वर्गो के छात्रों को शैक्षिक् और सांस्कतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संगोष्ठियों / कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रदर्शनियों का संचालन एवं आयोजन करना।

जागरूकता पैदा करने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से समान अवसर का माहौल बनाना।

सुविधाएँ :–

1. कार्यालय और बुनियादी ढ़ाचां
2. पुस्तकालय
3. समाचार पत्र, पत्रिकाएं और पत्रिकाएं
4. कक्षाएं बैठकें और प्रशिक्षण स्थल

दृष्टि :–

1. समग्र व्यक्तित्व और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना ताकि उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि सुनिश्चित हो सके।
2. सभी को समाज की मुख्याधारा में शामिल करके सभी के लिए समावेशी विकास।
3. व्यक्तिगत परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करना।
4. विभिन्न आधारों पर भेदभाव के संबंध में जागरूकता निर्माण और संवेदीकरण।

Equal Opportunity Cell (EOC) का गठन

महिला समग्र विकास केन्द्र के सदस्य

वरिष्ठ शिक्षक : समन्वयक

दो सदस्य : मा. कुलपति जी द्वारा नामित

15.7.21

Modal Learners/ Study Centers

दूरस्थ शिक्षा का मुख्य उद्देश्य स्व–अध्ययन को बढ़ावा देना है। परन्तु नियमित face to face शिक्षण के अभाव में दूरस्थ पद्धति के पढ़ाई करने वाले शिक्षार्थियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान कर उनको सहायता करना इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य है। जिसमें सुविधाओं और गतिविधियों का एक समूह शामिल है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को आसान और अधिक रोचक बनाना है।

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. छत्तीसगढ़ के मुख्यालय में स्थापित प्रत्येक विभाग उस विषय के Modal Learning Study Center में अकादमिक शिक्षा जिसमें पढ़ने, लिखने, अध्ययन, कौशल तथा विद्यार्थियों की अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही केन्द्र विद्यार्थियों को उनके कैरियर के लिए भी प्रोत्साहित करेगा।

उद्देश्य :–

1. शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करना।
2. शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए।
3. शिक्षार्थियों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करना।
4. नये शिक्षार्थियों को उनके कैरियर के लिए जागरूक करना।
5. समाजीकरण को प्रोत्साहित करना और टीम वर्क और टीम भावना को बढ़ावा देना और शिक्षार्थियों के शैक्षिक मानकों में सुधार।

कार्य :–

1. नये शिक्षार्थियों को उनके विषय से परिचित करना।
2. समय–समय पर शिक्षार्थियों को उनके विषय से संबंधित परामर्श प्रदान करना।
3. विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों पर निर्धारित समय पर परामर्श

कक्षाओं / सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित करना।

4. विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों पर निर्धारित समय पर प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित करना।

5. शिक्षार्थियों की समस्याओं / शिकायतों का निवारण एवं परामर्श उपलब्ध कराना।

संचालन प्रणाली :—

छात्र सहायता केन्द्र मॉडल एक त्रि – स्तरीय प्रणाली है—मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अध्ययन केंद्र ।

- ज्ञान के प्रभावी अपव्यय और दूरस्थ शिक्षार्थियों के अलगाव की भावना को कम करने के लिए नियोजित शिक्षण—अधिगम रणनीतियों में विश्वविद्यालय द्वारा अनुमादित अध्ययन केंद्रों में रविवार को परामर्श कक्षाओं का आयोजन करना।
- दूरस्थ शिक्षार्थियों को प्रवेश, परामर्श / संपर्क कक्षाओं का आयोजन, सत्रीय कार्य लेखन, आंतरिक परीक्षण, परीक्षा, शिक्षण अभ्यास आदि के बारे में बहुत सारे प्रश्न पूछने पड़ते हैं, इसलिए मुख्यालय में छात्र सहायता केन्द्र में टेलीफोन सुविधाओं के साथ जिज्ञासा को शांत करना।
- प्रत्येक शैक्षणिक कार्यक्रम की शुरूआत में केन्द्र द्वारा एक परिचय – सह—अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। प्रवेश के समय दिए गए इस प्रकार के अभिविन्यास और मार्गदर्शन से शिक्षार्थियों को सिस्टम, विवेचन कार्यक्रमों से अवगत कराया जाना है और उनकी कठिनाइयों का आकलन किया जाना है।

संगठन :—

विभागाध्यक्ष – अध्यक्ष

विभाग के शिक्षक – सदस्य

Manisha
15/07/21